भाव का भूखा हूँ मैं बस भाव ही एक सार है

भाव का भूखा हूँ मैं, बस भाव ही एक सार है |
भाव से मुझ को भजे तो, उसका बेडा पार है ||

अन्न धन अरु वस्त्र भूषण, कुछ न मुझको चाहिए |
आप हो जाये मेरा बस, पूरण यह सत्कार है ||

भाव बिन सुना पुकारे, मैं कभी सुनता नहीं |
भाव की एक टेर ही, करती मुझे लाचार है ||

भाव बिन सब कुछ भी दे तो, मै कभी लेता नहीं |
भाव से एक फुल भी दे, तो मुझे स्वीकार है ||

जो भी मुझ मे भाव रख कर, आते है मेरी शरण |
मेरे और उस के हृदय का, एक रहता तार है ||

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/30/title/bhav-ka-bhuka-hun-mai-bhav-hi-ek-saar-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |